महत्वपूर्ण एवं खास

दशहरा त्योहार को लेकर ग्राम नांगाबुडा में बनाए जा रहे है 35 फिट रावण

गरियाबंद (आरएनएस)। असत्य पर सत्य की जीत को लेकर दशहरा के दिन अपनी बुराइयों के ख़त्म करने की सोच के साथ रावण का पुतला दहन किया जाता है।इस दशहरा त्योहार को लेकर ग्राम नांगाबुडा में ग्राम के युवाओं के द्वारा 35 फिट रावह की प्रतिमा तैयार किया जा रहा है जो मंगलवार को बनकर लगभग तैयार किया जा चुका है ।ज्ञात ही कि ग्राम नांगाबुडा में प्रतिवर्ष स्कूल मैदान में रामलीला कार्यक्रम का आयोजन किया जाता जो पूरी रात किये जाने के साथ ही सुबह के समय के राम रावण के बीच वाद विवाद के बाद रावण का वध होता है ये दहन लकड़ी पैरा और पटाखे डाले रावण का दहन कर किया जाता जो बनकर तैयार किया जा चुका है।

सर्प के काटने से पंच की मौत

गरियाबंद (आरएनएस)। मंगलवार के सुबह पांच बजे घर मे सोए ब्यक्ति का सर्प के काटने से मौत हो गई जिसका पोस्टमार्टम कर मृतक का शरीर परिजनों को सौपा गया। घटना के विषय मे मिली के अनुसार गरियाबंद जिला मुख्यालय से तीन किलोमीटर दूर ग्राम पंचायत डोंगरीगाव के आश्रित ग्राम केशोडार निवासी फुलुराम नेताम जो वार्ड पंच है , वो अपने घर मे सोया थे उसी दौरान जहरीला करायत सर्प ने काट लिया , वही मृतक के घर मे तोता पाल रखे है जो मृतक के साथ ही रहता है, उसके चलते तोता के द्वारा काटने की आशंका कर नजरअंदाज किया गया , लेकिन कुछ समय बाद मृतक को चक्कर आना शुरू हुआ और घर मे करायत सर्प को देखे तब जिला अस्पताल लाया गया जहां प्रारंभिक उपचार में ही उसकी मौत हो गई। मृतक ब्यक्ति का जिला अस्पताल में पोस्टमार्टम कराने के पश्चात परिजनों को सौपा गया , साथ ही घटना की रिपोर्ट सिटीकोतवाली में दर्ज कर जांच किया जा रहा है।

कुसमुंडा खदान में हुआ हादसा : मिट्टी अनलोड करते समय ट्रक खाई में फि सली, ड्राइवर ने कूद कर बचाई जान

कोरबा (आरएनएस)। कोरबा जिले के कुसमुंडा खदान में एक बार फिर हादसों का सिलसिला शुरू हो चुका है बीते दिन एक ओर जहां 26 सितम्बर को ट्रक की चपेट में आने से एसईसीएल कर्मी गंभीर रूप से घायल हो गया था। वहीं 03 अक्टूबर दोपहर लगभग 12.00 बजे कुसमुंडा खदान में नियोजित ठेका कंपनी की मिट्टी लोड ट्रक गोदावरी बेस पर मिट्टी अनुरोध करते हुए नीचे जा गिरी। इस हादसे में चालक ने कूदकर अपनी जान बचाई। वही ट्रक धीरे-धीरे कर नीचे जा गिरा। गनीमत यह रही कि ट्रक कुछ दूरी पर जाकर फस गया अन्यथा थोड़ी सी और ट्रक नीचे जाती तो वह लगभग 100 फीट नीचे खाई में चली जाती। मिट्टी लोड से लेकर मिट्टी अनलोड के लिए भी चालक परिचालक के अलावा हर कार्य के लिए एक अलग अधिकारी नियुक्त होता है, जिनकी देखरेख में यह सारे कार्य होते हैं। यहां पर ट्रक अत्यधिक पीछे करने की वजह से घटना घटित हुई है और किसी तरह से चालक ने कूदकर अपनी जान बचा ली।

आगामी 72 घंटों में मौसम में बदलाव की संभावना, प्रदेश में हल्की सी मध्यम वर्षा होगी

रायपुर (आरएनएस)। छत्तीसगढ़-मध्यप्रदेश में एक बार फिर मौसम का मिजाज बदल सकता है. इन राज्यों में अगले तीन दिनों तक बारिश की सम्भावना जताई गई है. मौसम विभाग की मानें तो छत्तीसगढ़ में आज से बारिश की गतिविधियां फिर से बढ़ जाएंगी। वहीं देश के अलग-अलग राज्यों से मॉनसून की विदाई हो रही है। मौसम विभाग की ओर से दी गई ताजा जानकारी के मुताबिक, दक्षिण-पश्चिम मॉनसून उत्तरी अरब सागर और गुजरात के अधिकांश हिस्सों, पश्चिम मध्य प्रदेश और उत्तराखंड के कुछ हिस्सों से विदा हो गया है।

छत्तीसगढ़ ओलंपिक का 6 से आगाज, शहर के वार्डो के लिए एकलव्य खेल परिसर में किया जाएगा खेल का आयोजन

धमतरी (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ के पारंपरिक खेलों का 6 अक्टूबर से ओलंपिक शुरू होने वाला है।इसके लिए खेल एवं युवा कल्याण विभाग ने पूरी कार्ययोजना बनाकर सभी स्तरो अधिकारियों को दिशा निर्देश दे दिया गया है, 6 स्तरों में होने वाले छत्तीसगढिया ओलंपिक के आयोजन की प्रथम श्रेणी में धमतरी नगर निगम द्वारा तैयारी पूर्ण कर लिया गया है। जिसके चलते सोमवार को वार्ड के सभी राजीव युवा मितान क्लब के सदस्यों की मीटिंग लेकर छत्तीसगढ़ ओलंपिक के प्रचार-प्रसार हेतु जानकारी दी गई।

गौरतलब है कि 6 अक्टूबर से 6 जनवरी 2023 तक छत्तीसगढिया ओलंपिक खेला जाएगा।इसमें दलीय और एकल श्रेणी में 14 तरह के पारम्परिक खेलों को शामिल किया गया है।

महापौर विजय देवांगन ने कहा कि हमारे छत्तीसगढिया मुखमंत्री भूपेश बघेल जी का छत्तीसगढिया ओलंपिक खेल को आरंभ करने का मुख्य उद्देश्य प्रदेश में स्थानीय और पारंपरिक खेलों को बढ़ावा देना है। साथ ही छोटे से छोटे स्तारो में छिपी खेल प्रतिभा को उजागर करना है। इस ओलंपिक खेल में ग्रामीण एवं शहरी इलाकों के सभी आयु वर्ग के नागरिक हिस्सा ले सकेंगें। यह खेल आयोजन राज्य में छिपी हुई खेल प्रतिभा को खेल के मैदान तक लाने में अपना एक महत्वपूर्ण योगदान देगा। जिसके माध्यम से राज्य के प्रतिभाशाली खिलाडियों की पहचान हो सकेगी और उन्हें राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय प्रतिस्पर्धाओं के लिए तैयार किया जा सकेगा। यानी यह खेल आयोजन राज्य के प्रतिभाशाली खिलाडियों को खेल में केरियर बनाने का एक सुनहरा मौका प्रदान करेगा। छत्तीसगढ़ ओलंपिक 2022 में वार्ड वासी जो भाग लेना चाहते हैं वे वार्ड में गठित राज्य मितान क्लब के सदस्यों से मिलकर जानकारी लेते हुए अधिक से अधिक नागरिकों को प्रचार करते हुए ,खेलो ने हिस्सा लेने के लिए अपील किया है।

6 अक्टूबर से शुरू हो रहा है छत्तीसगढिया ओलंपिक

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल जी ने पिछली कैबिनेट बैठक में छत्तीसगढिया ओलंपिक कराने का फैसला किया था. इसके बाद अब खेलों के चरणबद्ध आयोजन के लिए शेड्यूल जारी कर दिया गया है।

इसमें खेल विधाओं के लिहाज से दलीय और एकल श्रेणी भी निर्धारित की गई है. दलीय श्रेणी के तहत गिल्ली डंडा, पिट्ठूल, संखली, लंगड़ी दौड़, कबड्डी, खो-खो, रस्साकसी और बांटी (कंचा) जैसी खेल विधाएं शामिल की गई हैं जबकि एकल श्रेणी की खेल विधा में बिल्लस, फुगड़ी, गेड़ी दौड़, भंवरा, 100 मीटर दौड़ और लम्बी कूद शामिल है।

वार्ड के क्लब से लेकर राज्य तक 6 स्तरों पर होंगे आयोजन छत्तीसगढिया ओलंपिक में 6 स्तर निर्धारित किए गए हैं. इन स्तरों के अनुसार ही खेल प्रतियोगिता के चरण होंगे. इसमें वार्ड में सबसे पहला स्तर राजीव युवा मितान क्लब का होगा. वहीं दूसरा स्तर जोन है, जिसमें 8 राजीव युवा मितान क्लब को मिलाकर एक क्लब होगा. फिर विकासखंड/नगरीय क्लस्टर स्तर, जिला, संभाग और अंतिम में राज्य स्तर खेल प्रतियोगिताएं आयोजित होंगी।

इन तारीखों को होगा खेलों का आयोजन

छत्तीसगढिया ओलम्पिक में सबसे पहले राजीव युवा मितान क्लब स्तर के आयोजन 6 अक्टूबर से 11 अक्टूबर 2022 तक होंगे. वहीं जोन स्तर के आयोजन 15 अक्टूबर से 20 अक्टूबर 2022 तक खेले जाएंगे. विकासखंड स्तर पर खेल 27 अक्टूबर से 10 नवम्बर तक आयोजित किए जाएंगे. जिला स्तर पर 17 नवम्बर से 26 नवम्बर तक प्रतियोगिताएं होंगी. संभाग स्तर पर आयोजन 5 दिसम्बर से 14 दिसम्बर के बीच होगा. वहीं राज्य स्तर पर छत्तीसगढिया ओलम्पिक का अंतिम चरण 28 दिसम्बर 2022 से 6 जनवरी 2023 तक खेला जाएगा।

ओलम्पिक में कौन ले सकेगा भाग

छत्तीसगढिया ओलम्पिक में आयु वर्ग को तीन भागों में बांटा गया है. इसमें पहला वर्ग 18 वर्ष की आयु तक, फिर 18-40 वर्ष आयु सीमा तक, वहीं तीसरा वर्ग 40 वर्ष से अधिक उम्र के लिए है।इस प्रतियोगिता में महिला और पुरुष दोनों वर्ग में प्रतिभागी होंगे।

महिलाओं का नवाचार... बना रही आकर्षक और सुंदर आर्टिफिशियल ज्वेलरी

- **महिलाओं ने आकर्षक चूड़ी, कंगन, मंगलसूत्र बनाकर आर्थिक स्वावलंबन की चुनी राह**
- **महिलाओं को आरसेटी से मिला है प्रशिक्षण, सी मार्ट में विक्रय के लिए उपलब्ध रहेगी ज्वेलरी**

कोरबा (आरएनएस)। कोरबा जिले की महिलाएं आर्टिफिशियल ज्वेलरी निर्माण के लिए बड़े शहरों और वृहद उद्योगों पर निर्भरता की बात को गलत साबित कर रही है। जिले में बिहान की समूह की महिलाएं नवाचार का बेहतरीन नमूना पेश करते हुए गांव में ही आर्टिफिशियल ज्वेलरी का निर्माण कर रही है। समूह की महिलाएं ज्वेलरी निर्माण से जुडक़र स्वरोजगार और

स्वावलंबन की मिसाल पेश कर रही हैं। विकासखंड कोरबा के ग्राम रजगामार की 15 दीदियां आजीविका संवर्धन के लिए आर्टिफिशियल ज्वैलरी निर्माण में लगी हुई हैं। राष्ट्रीय आजीविका मिशन के तहत सीता महिला ग्राम संगठन कि महिलाएं चूड़ी, कंगन, झुमका आदि के सुंदर और आकर्षक नमूने बनाकर ना सिर्फ नवाचार कर रही हैं, बल्कि आर्थिक रूप से भी मजबूत होने का रास्ता अपना रही है। समूह द्वारा किए जा रहे आर्टिफिशियल ज्वेलरी निर्माण से समूह की महिलाओं का आत्मविश्वास बढ़ा है। साथ ही अन्य लोगों के लिए भी प्रेरणा का स्रोत साबित हो रहा है।

नूतन कुमार कंवर, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत ने बताया की समूह की महिलाएं बड़ी मेहनत और लगन से आर्टिफिशियल ज्वेलरी बनाने के काम में लगी हुई है। महिलाओं द्वारा बनाए गए ज्वेलरी बहुत ही सुंदर और आकर्षक है। उन्होंने महिलाओं का उत्साहवर्धन करते हुए स्वसहायता समूह की महिलाओं के आर्टीफिशियल ज्वेलरी को बाजार उपलब्ध कराने के लिए सीमार्ट में रखने के निर्देश एनआरएलएम को दिये है। इसके साथ ही आर्टीफिशियल ज्वेलरी के व्यवसाय विकास हेतु बैंक से सहयोग कराने के निर्देश दिये है। सीता महिला ग्राम पंचायत रजगामार की अध्यक्ष कविता वास एवं रजिया बेगम ने बताया कि उनके ग्राम संगठन की 15 महिलाएं आकर्षक रंग बिरंगी चूडियां, कंगन, माथाटीका, राधा सेट जो कि (फोम एवं फ्लावर) से बनाया है जो कि हल्दी कार्यक्रम में महिलाओं के द्वारा पहना जाता हैं। कान की बाली, झुमका, मोती वाले ब्रेसलेट, अंगूठी चोकरहार (मोतीहार) गले के पेडेंट मोतीवाला, मंगलसूत्र, करधन, बाजूबंध आदि ज्वेलरी उन्होने सामूहिक रूप से तैयार की हैं। यह ज्वेलरी उनके द्वारा मात्र 75 घंटे में तैयार की गई है, जिसकी बाजार मूल्य 20 हजार रूपये से ज्यादा मिलने की आशा है। ग्राम संगठन की महिलाओं ने अपने रोजाना के कार्यो से फुरसत होकर दोपहर में 2 बजे से 5 बजे तक सामुदायिक भवन में ज्वेलरी तैयार की हैं। महिलाओं द्वारा तैयार इस आर्टीफिसियल ज्वेलरी को फैंसी स्टोर रजगामार में बिक्री हेतु रखा गया हैं।

सड़क दुर्घटना में दो की मौत

महासमुंद (आरएनएस)। अलग-अलग थानांतर्गत सडक़ दुर्घटना में दो लोगों की मौत हो गई वहीं फांसी लगाने से एक और सांप काटने से एक महिला की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार दो अक्टूबर को शाम करीब पांच बजे लक्ष्मीपुर के पास ट्रैक्टर चालक दशरथ पटेल ने तेज व लापरवाहीपूर्वक वाहन चलाते हुए बाइक क्रमांक सीजी 06 जेएल 6154 को ठोकर मार दी जिससे वार्ड 6 पिथौरा निवासी अनूप अग्रवाल (55) को गंभीर चोट आई जिससे उनकी मृत्यु हो गई। पुलिस ने ट्रैक्टर चालक के खिलाफ धारा 304 ए के तहत मामला दर्ज किया। वहीं कोमाखान थाने मृतक टोंगोपानी निवासी धनेश्वर पटेल (45) ने एक

अक्टूबर को घर में अज्ञात कारणों से फांसी लगाकर जान दे दी। इसी तरह 21 सितंबर को पटेवा चिरको निवासी बृजबाई (60) को सांप ने काट लिया। इलाज के लिए उन्हें जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां उनकी मृत्यु हो गई। जहां इलाज के दौरान रविवार को उनकी मौत हो गई। इधर, 29 सितंबर को सडक़ दुर्घटना में घायल रानीसागर निवासी उमेश यादव का जिला अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई।

बस्तर दशहरा में कालबान बंदूक की स्थापना कर शस्त्र पूजा की रस्म होगी पांच को

जगदलपुर (आरएनएस)। बस्तर दशहरा में विजयादशमी तिथि पर 05 अक्टूबर को शस्त्र पूजा की रस्म संपन्न की जायेगी, जिसके तहत मां दंतेश्वरी मंदिर में राजकुमारी मेघावती के कालबान बंदूक व मांईजी के निशान (लाट) को ससम्मान मंदिर में स्थपित कर परंपरानुसार शस्त्र पूजा संपन्न की जायेगी।

मां दंतेश्वरी मंदिर के पुजारी उदय पानीग्राही ने बताया कि मेघावती पांसकंड की राजकुमारी थी, राजकुमारी मेघावती के शताब्दियों पहले लगभग 200 वर्ष पूर्व कालबान बंदूक मां दंतेश्वरी को भेंट की थी, तब से यह बंदूक मां दंतेश्वरी मंदिर में रखा गया है, विजयादशमी तिथि पर शस्त्र पूजा के लिए इसे बाहर निकाला जाता है। यह भरमार बंदूक करीब सात फीट लंबी व 20 किलो ग्राम वजनी है।

कालबान के साथ ही देवी निशान (लाट) दंतेश्वरी मंदिर में स्थापित करने वाले तुकाराम यादव बताते हैं कि देवी निशान (लाट) राजमहल परिसर में मंदिर निर्माण के मौके पर वर्ष 1894 में राजपरिवार ने उनके पूर्वजों को सौंपा था, तब से बस्तर दशहरा के दौरान उनके परिवार के लोग इस लाट को मंदिर में स्थपित करने की परंपरा का निर्वहन करते चले आ रहे हैं इस बंदूक और लाट को भीतर रैनी व बाहर रैनी के अवसर पर मंदिर से पूजा के लिए बाहर निकाला जाता है।

ई-डिस्ट्रिक्ट परियोजना : अब तक 2 करोड़ से अधिक नागरिक लाभान्वित

- **नागरिक सुविधा बढ़ाने के लिए छत्तीसगढ़ में मौजूद है सुदृढ़ आईटी अधोसंरचना**
- **डिजिटल इंडिया कांफ्रेंस में चिप्स छत्तीसगढ़ का प्रस्तुतिकरण**

रायपुर (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ में राज्य के नागरिकों की सुविधाओं में वृद्धि के लिए अनेक नवाचार किये जा रहे हैं। राज्य में ऑनलाइन सेवाओं के लिए सुदृढ़ स्टेट डाटा सेंटर, सी.जी. स्वान और भारतनेट स्थापित हैं। आधुनिक नवीनतम तकनीक का उपयोग कर ढ़ढक्कड़त्र योजना विश्व बैंक से प्रायोजित है। चिप्स के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अमिताभ शर्मा ने यह जानकारी नई दिल्ली के प्रगति मैदान में आयोजित डिजिटल इंडिया कॉन्फ्रेंस के तीसरे दिन के दूसरे सत्र के प्रस्तुतिकरण में दी।

प्रस्तुतिकरण में बताया गया कि छत्तीसगढ़ में सुदृढ़ आई टी अधोसंरचना के चलते प्रदेश की परियोजनाओं में अब अत्याधुनिक ब्लॉकचैन, ए.आई. तकनीक का प्रयोग किया जाना प्रस्तावित है। राज्य के ई-डिस्ट्रिक्ट परियोजना द्वारा अब तक 2 करोड़ से अधिक नागरिक लाभान्वित हो चुके हैं। गोधन न्याय योजना के पोर्टल तथा एप द्वारा 74 हजार 443 से अधिक सदस्यों को ऑनलाइन भुगतान किया जा चुका है। चिप्स द्वारा संचालित विद्यार्थी जीवन चक्र प्रबन्धन प्रणाली द्वारा 20 लाख से अधिक विद्यार्थियों ने लाभ प्राप्त किया है। अमिताभ शर्मा ने प्रस्तुतिकरण देते हुए बताया कि छत्तीसगढ़ राज्य का 40 प्रतिशत से अधिक भाग वनों से आच्छादित है। कम विकसित, नक्सल प्रभावित राज्य की धारणा के विपरीत छत्तीसगढ़ धान का कटोरा है। छत्तीसगढ़ देश का ऊर्जा हब और वृहद सीमेंट उत्पादक है। राज्य में देश के वृहद उद्योग सेल-भिलाई, एनटीपीसी- कोरबा, एक सुविकसित एमएसएमई सेक्टर भी स्थित है। छत्तीसगढ़ में एम्स, आई.आई.टी., आई.आई.एम. ट्रिपल आई.टी. इंजीनियरिंग तथा मेडिकल कॉलेज विद्यमान हैं। छत्तीसगढ़ प्रदेश वायु, रेल, रोड सभी मार्गों से जुड़ा हुआ है।

उल्लेखनीय है कि दूसरे सत्र में छत्तीसगढ़ के साथ-साथ में मिजोरम के मुख्य सचिव, कर्नाटक, चंडीगढ़ और लक्षद्वीप के सचिवों ने भी प्रस्तुति दी। कार्यक्रम का संचालन इलेक्ट्रॉनिक्स एवं आईटी मंत्रालय भारत सरकार के अतिरिक्त सचिव डॉ. राजेंद्र कुमार ने किया।

दीवार ढहने से एक ही परिवार के तीन बच्चों की मलबे में दबने से मौत

कोरबा (आरएनएस)। तेज वर्षा के दौरान एक मकान की दीवार भरभरा कर गिर गई। नजदीक में ही खेल रहे चार बच्चे में तीन मलबे में दब गए और उनकी मौत हो गई। सुबह से ही तेज बारिश होने की वजह से कच्चे मकान की दीवार कमजोर हो गई थी। इस घटना में कालकलवित हुए तीनों बच्चे सगे भाई थे। घटना के वक्त घर पर कोई नहीं था।

जानकारी के अनुसार पाली थाना के अंतर्गत आने वाले ग्राम राहा-सपलवा निवासी बसंत यादव के घर यह घटना सोमवार को दोपहर करीब तीन बजे हुई। बताया जा रहा है कि घर का एक दीवार में दरार आ गई थी। लगातार हो रही बारिश की वजह से दीवार पूरी तरह ध्वस्त हो गया। उस वक्त बसंत के चार बच्चे खेल रहे थे, उनमें तीन रूपेश यादव आठ साल, रितेश यादव छह साल व रूकेश यादव चार साल मलबे में दब गए। सबसे बड़ा बेटा मलबे की चपेट में आने से बच गया। घटना के वक्त बसंत यादव व उसकी पत्नी दोनों गांव में ही किसी अन्य स्थान पर थे। बड़ा बेटा भाग कर वहां पहुंचा और इस घटना की सूचना उन्हें दी। मौके पर स्वजन व ग्रामीण पहुंचे और मलबा हटा कर किसी तरह बच्चो को बाहर निकाले। तब तक दो बच्चों की मौत हो चुकी थी। एक की सांसे चल रही थी, उसे पानी पिलाने का प्रयास किया गया, पर अंतत: उसने भी दम तोड़ दिया। एक साथ एक ही परिवार के तीन बच्चे के मौत से यादव दंपति पर दुख का पहाड़ टूट पड़ा है। साथ ही गांव में भी शोक की लहर दौड़ गई है। घटना की सूचना मिलने पर चैतमा पुलिस सहायता केंद्र से पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और बच्चे के शव को पाली सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजी। पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद मंगलवार को शव अंतिम संस्कार के लिए स्वजनों को सौंपा गया। पाली थाना प्रभारी राजीव वास्तव ने बताया कि पीड़ित परिवार को प्रशासन की ओर से मुआवजा प्रदान किया जाएगा। घटनास्थल ग्राम रावा जिला मुख्यालय से करीब 85 किलोमीटर दूर है। जिले के अंतिम छोर में स्थित इस पहुंचविहीन गांव में नेटवर्क की सुविधा भी नही है। यही वजह है कि पुलिस को सूचना देने में विलंब हुआ। लगातार बारिश होने की वजह से कच्चे मकानों के ढह जाने का खतरा बना रहता है। इस तरह की घटना पहले भी हो चुकी है।

शारदीय नवरात्रि की अंतिम तिथि पर मां महामाया का साढ़े तीन किलो सोने के आभूषण से किया गया राजषी श्रृंगार

- **मां के सिद्धिदात्री स्वरूप के दर्शन के लिए सुबह से ही मंदिर में लगने लगी भक्तों की कतार**

रतनपुर (आरएनएस) । नौ दिवसीय शारदीय नवरात्र के अंतिम दिन नवमी तिथि पर परंपरा अनुसार रतनपुर मां महामाया मंदिर में देवी का राजषी श्रृंगार किया गया। सुबह 6:30 बजे देवी के राजषी श्रृंगार के बाद ही मंदिर के कपाट खोले गए। देवी को परंपरा अनुसार चंद्रहार, पटिया, धार नथनी मुकुट छत्र कुंडल समेत नौ प्रकार के हार कंगन नथ आदि धारण कराया गया। पूजा अर्चना के पश्चात देवी मां को राजषी नैवेध समर्पित किया गया। इसके बाद मंदिर में कन्या भोज और ब्राह्मण भोज का भी आयोजन किया गया। नवमी तिथि पर ज्योति कलश रक्षकों को भोज करा कर उन्हें दक्षिणा प्रदान किया गया।

नवमी तिथि पर परंपरा अनुसार पुजारी द्वारा ज्योति कलश कक्ष में प्रज्वलित मनोकामना ज्योति कलश की पूजा अर्चना कर मंत्रोच्चार के साथ ज्योति विसर्जित की जाएगी। महा नवमी तिथि पर देवी के राजषी श्रृंगार रूप के दर्शन करने के लिए सुबह से ही भक्त मंदिर में उमड़ पड़े।

वर्ष में दो नवरात्र के अलावा दशहरा, दीपावली और धनतेरस पर महामाया देवी का इसी तरह का श्रृंगार किया जाता है।

महामाया मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष आशीष ठाकुर ने बताया कि नवमी तिथि के अवसर पर माँ महा माया देवी का साढ़े तीन किलो सोने के आभूषणों के साथ राजसी सिंगार किया गया जिसमे माँ महामाया देवी का सिद्धिदात्री स्वरूप में स्वर्ण मुकुट,रानी हार,कुंडल, करधन, पायल सोला सिंगार के साथ कुल साड़े तीन किलो सोने के आभूषणों से महामाया देवी का राजसी श्रृंगार सुबह पांच बजे किया गया। सिद्धिदात्री स्वरूप में माँ के इस दिव्य रूप को देखने मंगलवार को सुबह से ही श्रद्धालुओं का महामाया मंदिर रतनपुर में तांता लगा हुआ है। इस अवसर पर माँ महामाया को 12 बजे 56 प्रकार के नैवैद्य भी अर्पित किये गए तथा सामूहिक पुष्पांजलि अर्पित कर विश्व कल्याण की कामना की गई। इसी के साथ मंदिर में सहस्त्र धारा कन्या भोज व ब्रम्ह भोज के साथ शारदीय नवरात्रि पर्व का समापन हुआ।इससे पहले 26 सितंबर 2022से शुरू हुए शारदीय नवरात्रि के दौरान अष्टमी तिथि पर देवी महामाया की विशेष पूजा के बाद हवन कर पूर्णाहुति दी गई।

SJU - Contact No. +91 9301915303 E-mail ID- sjunion29@gmail.com

Social Justice Union

Registered with Govt. No. 5526

Join SJU

अधिकार से न्याय तक

आवश्यकता

इस संघ का गठनसमर्पण छत्तीसगढ़ में पीड़ितों को न्याय दिलाने के लिए किया गया है, जिसे छत्तीसगढ़ शासन से मान्यता प्राप्त है, जिसका क्रमांक 5526 है, तथा सम्पर्क हेतु नं0 9301915303 है। इस संघ के गठन पर संघ के संरक्षक एवं लीगल एडवाईजर श्री तथागत श्रीवास्तव (अधिवक्ता, माननीय उच्च-न्यायालय), एवं गवर्निंग बोर्ड के सदस्यों कु0 सी.बी.वर्मा, श्रीमती ऐकता श्रीवास्तव, श्रीमती रजनी ठाकुरे एवं अन्य ने शासन को धन्यवाद ज्ञापित किया, और कहा कि संघ के पास सामाजिक अन्याय अथवा मानवाधिकार हनन सम्बंधी तथ्य के प्रस्तुत होने पर, उसे लिखित में शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन एवं सक्षम व्यक्तियों के समक्ष संघ की ओर से प्रस्तुत किया जावेगा। साथ ही, विधि, न्याय सम्बंधी कार्य हाथ में लेकर बेसहारा, गरीब, परित्यक्ता, विधवाओं के उत्थान के लिए कार्य किया जावेगा।

उद्देश्य एवं नियुक्तियां

मुख्य रूप से संघ का उद्देश्य छत्तीसगढ़ प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर में सामाजिक न्याय हेतु प्रचार-प्रसार करना, तथा मानवाधिकार हेतु जागरूकता पैदा करना है। संघ साक्षरता एवं अनौपचारिक शिक्षा के माध्यम से मानवाधिकार के सम्बंध में प्रचार प्रसार करना चाहता है। इस हेतु प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर पर सामाजिक न्याय एवं मानवाधिकार संरक्षण केन्द्र की स्थापना की जावेगी, और उनमें संघ के द्वारा आधिकारिक नियुक्तियों की जावेगी। प्रत्येक व्यक्ति इस संघ में सदस्य बन सकता है, जिसके लिए संघ के द्वारा निर्धारित नियम एवं शर्तों का पालन किया जाना अनिवार्य है। इस हेतु सदस्यता फार्म संघ के प्रधान कार्यालय में उपलब्ध है।

मुख्य बिन्दु

प्रताड़ित एवं पीड़ित व्यक्ति की समस्याओं को सुनना, आवेदन लेना तथा पीड़ित को न्याय दिलाने के लिए उचित साधन एवं संसाधनों की जरूरत के अनुसार व्यवस्था करना मूल रूप से इस संघ का कार्य है। पीड़ित व्यक्तियों को न्यायिक, गैर-न्यायिक एवं सामाजिक समस्या पर विधिनुसार एवं संविधान के अनुसार आवश्यक मदद की जावेगी।

पीड़ित संपर्क करें

संघ विशेष रूप से मानवाधिकार दिलाने एवं सामाजिक न्याय प्राप्ति हेतु पीड़ित मानव की हर संभव मदद करेगा तथा इस हेतु पीड़ित मानव के लिए भारतीय संविधान के तहत् विधिक सहायता की व्यवस्था आवश्यकतानुसार करेगा। यदि कोई पीड़ित है तो इस संघ से सम्पर्क कर सकता है।

अन्य बिन्दु

- संघ पर्यावरण संरक्षण एवं पर्यावरण सम्बंधी चेतना हेतु भी जागरूकता लाने का प्रयास करेगा।
- पूरे छत्तीसगढ़ प्रदेश में महिलाओं के अधिकार, श्रमिकों के अधिकार, आदिवासियों के अधिकार, अनुसूचित जाति-जनजातियों के अधिकारों के सम्बंध में विधिक एवं संवैधानिक तौर के कार्यक्रमों को इस संघ द्वारा संचालित किया जावेगा तथा प्रत्येक पीड़ित को उसके कर्तव्यों एवं अधिकारों के बारे में सचेत किया जावेगा। न्याय प्राप्ति हेतु हर संभव मदद की जावेगी।
- संघ शासन से मान्यता प्राप्त है, अतः शासन एवं प्रशासन में विभिन्न पदों पर आसीन् तक पीड़ित की परेशानी को आसानी से पहुँचाया जा सकता है। इस हेतु संघ शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन व्यक्तियों से मुलाकात कर पीड़ित को न्याय दिलाने में समस्त सहायता भी करेगा।
- संघ द्वारा संवैधानिक शिक्षा एवं सामाजिक विकास से सम्बंधित रिसर्च कार्यक्रम किए जावेंगे, एवं समान उद्देश्यों वाली अंतर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय, सरकारी तथा गैरसरकारी संस्थाओं के साथ मिलकर काम किया जावेगा।
- संघ सामाजिक कुरीतियों को दूर करने के लिए कार्यशाला का आयोजन भी करेगा। संघ देश के भूले बिसरे पर महान विभूतियों के सम्मान में कार्यक्रम भी आयोजित करायेगा।

पढ़िए .... न्यायसाक्षी समाचार-पत्र

:: Address ::
Behind Stadium
Near Career
School, Raigarh,
C.G.
Pin 496001

www.nyaysakshi.com

सभी से अपील की गई है कि ज्यादा से ज्यादा संख्या में संघ से जुड़कर साथ का साथ दिया जावे ताकि प्रत्येक पीड़ित मानव को न्याय मिल सके एवं एक अच्छे समाज का निर्माण हो सके।

Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU